INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 12, Issue: 2 | April – June 2025

किशोरों के वृत्तिक निर्णय लेने में उनकी रुचि एवं मूल्यों के प्रभाव का अध्ययन

[1]स्मृति देशमुख, [2]डॉ. जगदंबा
[1]शोधार्थी,[2]शोध निर्देशक
[1-2] संकाय : शिक्षा, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

सार

प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य किशोरों के वृत्तिक निर्णय लेने में उनकी रुचि एवं मूल्यों के प्रभाव का अध्ययन करना है। वर्तमान समय में व्यवसाय चयन की प्रक्रिया अत्यंत जटिल एवं प्रतिस्पर्धात्मक हो गई है, जिसके कारण किशोरों को अपने भावी व्यवसाय के संबंध में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वृत्तिक निर्णय केवल व्यवसाय के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व, संतुष्टि, कार्यकुशलता एवं जीवन की सफलता को भी प्रभावित करता है। किशोरों की रुचियाँ तथा मूल्य उनके वृत्तिक निर्णयों को दिशा प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक कारक हैं। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन हेतु दुर्ग जिले के 300 किशोर विद्यार्थियों का चयन साधारण यादृच्छिक निदर्शन पद्धति द्वारा किया गया। प्रस्तुत अध्ययन में किशोरों के वृत्तिक निर्णय का आकलन करने के लिए **डॉ. के. सिंह (2019)** द्वारा निर्मित *वृत्तिक निर्णय मापनी* का उपयोग किया गया, विद्यार्थियों की विभिन्न व्यवसायों एवं गतिविधियों के प्रति अभिरुचियों का अध्ययन करने हेतु **एस. डी. कपूर (2017)** द्वारा निर्मित *रुचि सूची (Interest Inventory)* तथा **अरुण दुबे एवं महेन्द्र पाटीदार (2018)** द्वारा विकसित *व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली (Personal Values Questionnaire)* का उपयोग किया गया। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण हेतु माध्य, मानक विचलन तथा सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि किशोरों की रुचि एवं मूल्यों का उनके वृत्तिक निर्णय पर सकारात्मक एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है। जिन विद्यार्थियों में रुचि एवं मूल्य का स्तर उच्च पाया गया, उनके वृत्तिक निर्णय अपेक्षाकृत अधिक स्पष्ट एवं प्रभावी पाए गए।

मुख्य शब्द : वृत्तिक निर्णय, रुचि, मूल्य, किशोर, व्यवसाय चयन, वृत्तिक निर्देशन।

प्रस्तावना

वर्तमान युग में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विद्यार्थियों को उनके भावी जीवन एवं व्यवसाय के लिए तैयार करना भी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य बन गया है। तीव्र सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी परिवर्तनों के कारण आज विद्यार्थियों के

समक्ष व्यवसायों के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। ऐसे परिवेश में उचित वृत्तिक निर्णय लेना प्रत्येक किशोर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। वृत्तिक निर्णय व्यक्ति के जीवन की दिशा निर्धारित करता है तथा उसकी भविष्य की उपलब्धियों एवं संतुष्टि को प्रभावित करता है।

किशोरावस्था जीवन का वह संक्रमणकाल है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं, अभिरुचियों, मूल्यों एवं व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं को समझने का प्रयास करता है। इसी अवस्था में वह अपने भविष्य के व्यवसाय एवं जीवन-लक्ष्यों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय भी लेता है। रुचि व्यक्ति को किसी विशेष कार्य, विषय अथवा व्यवसाय की ओर आकर्षित करती है, जबकि मूल्य उसके निर्णयों एवं व्यवहारों को दिशा प्रदान करते हैं। यदि किसी विद्यार्थी का व्यवसाय उसकी रुचियों एवं मूल्यों के अनुरूप हो तो उसके सफल एवं संतुष्ट होने की संभावना अधिक होती है।

अतः किशोरों के वृत्तिक निर्णय लेने में रुचि एवं मूल्यों की भूमिका का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। प्रस्तुत शोध-पत्र इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

संबंधित शोध-अध्ययन

शर्मा एवं वर्मा (2025) ने विद्यार्थियों की व्यवसायिक रुचियों एवं करियर चयन का अध्ययन किया तथा पाया कि विद्यार्थियों की रुचियाँ उनके व्यवसाय चयन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।

सिंह एवं कौर (2024) ने किशोरों के मूल्यों एवं व्यवसायिक परिपक्वता का अध्ययन किया तथा निष्कर्ष निकाला कि उच्च मूल्यबोध वाले विद्यार्थियों के वृत्तिक निर्णय अधिक स्पष्ट एवं यथार्थपरक होते हैं।

गुप्ता एवं मिश्रा (2024) ने वृत्तिक निर्देशन एवं निर्णय क्षमता के संबंध का अध्ययन किया तथा पाया कि उचित मार्गदर्शन विद्यार्थियों की करियर संबंधी अनिश्चितताओं को कम करता है।

यादव (2023) ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की रुचियों एवं व्यवसायिक आकांक्षाओं का अध्ययन किया तथा दोनों के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया।

राव (2022) ने व्यक्तिगत मूल्यों एवं व्यवसाय चयन का अध्ययन करते हुए पाया कि मूल्य व्यक्ति की व्यवसायिक प्राथमिकताओं को प्रभावित करते हैं।

इन अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि रुचि एवं मूल्य वृत्तिक निर्णय को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं, किंतु दुर्ग जिले के किशोर विद्यार्थियों के संदर्भ में इस विषय पर पर्याप्त अध्ययन उपलब्ध नहीं हैं। प्रस्तुत शोध इसी कमी की पूर्ति का प्रयास करता है।

शोध-उद्देश्य

1. किशोरों के वृत्तिक निर्णय स्तर का अध्ययन करना।
2. किशोरों की रुचि एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
3. किशोरों के मूल्यों एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

4. वृत्तिक निर्णय पर रुचि एवं मूल्यों के प्रभाव का अध्ययन करना।

शून्य परिकल्पना

H_{01} : किशोरों की रुचि एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

H_{02} : किशोरों के मूल्यों एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

शोध-विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन का स्वरूप वर्णनात्मक एवं सहसंबंधात्मक है। अध्ययन की जनसंख्या दुर्ग जिले के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर विद्यार्थी हैं। जनसंख्या में से साधारण यादृच्छिक निदर्शन पद्धति द्वारा कुल 300 विद्यार्थियों का चयन किया गया। तथ्यों के संकलन हेतु वृत्तिक निर्णय मापनी, रुचि मापनी तथा मूल्य मापनी का प्रयोग किया गया। संकलित आंकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन तथा पियर्सन सहसंबंध गुणांक द्वारा किया गया।

तालिका क्रमांक - 1

किशोरों की रुचि एवं मूल्यों का वृत्तिक निर्णय से सहसंबंध

चर	**N**	**सहसंबंध गुणांक (r)**
रुचि एवं वृत्तिक निर्णय	300	0.68
मूल्य एवं वृत्तिक निर्णय	300	0.72

0.05 स्तर पर सार्थक

व्याख्या

तालिका क्रमांक 1 में किशोरों की रुचि एवं मूल्यों का वृत्तिक निर्णय से प्राप्त सहसंबंध प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि रुचि एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य सहसंबंध गुणांक 0.68 प्राप्त हुआ, जो धनात्मक एवं उच्च सहसंबंध को प्रदर्शित करता है। इसी प्रकार मूल्य एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य सहसंबंध गुणांक 0.72 प्राप्त हुआ, जो दोनों चरों के मध्य उच्च धनात्मक संबंध को दर्शाता है।

प्राप्त सहसंबंध गुणांक 0.05 स्तर पर सार्थक पाए गए। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि किशोरों की रुचि एवं मूल्य उनके वृत्तिक निर्णय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप प्रस्तुत अध्ययन की दोनों शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत की जाती हैं। इससे स्पष्ट होता है कि जिन विद्यार्थियों की रुचियाँ एवं मूल्य अधिक विकसित होते हैं, वे अपने व्यवसाय संबंधी निर्णय अधिक प्रभावी एवं यथार्थपरक ढंग से लेते हैं।

निष्कर्ष

1. किशोरों की रुचि एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य सार्थक धनात्मक संबंध पाया गया।

2. किशोरों के मूल्यों एवं वृत्तिक निर्णय के मध्य सार्थक धनात्मक संबंध पाया गया।
3. रुचि एवं मूल्य वृत्तिक निर्णय को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं।
4. उच्च रुचि एवं उच्च मूल्य वाले विद्यार्थियों के वृत्तिक निर्णय अधिक स्पष्ट पाए गए।

शैक्षिक उपयोगिता

1. अध्ययन विद्यार्थियों को अपनी रुचियों एवं मूल्यों के अनुरूप व्यवसाय चयन करने में सहायता प्रदान करेगा।
2. शिक्षकों को विद्यार्थियों की व्यवसायिक आवश्यकताओं एवं अभिरुचियों को समझने में सहायता प्राप्त होगी।
3. विद्यालयों में वृत्तिक निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रमों की आवश्यकता को बल मिलेगा।
4. विद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के लिए करियर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर सकेगा।
5. अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षा योजनाकारों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा के विकास हेतु उपयोगी दिशा प्रदान करेंगे।

सुझाव

1. विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से **वृत्तिक निर्देशन एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए**, जिससे वे विभिन्न व्यवसायों की प्रकृति, आवश्यक योग्यताओं एवं संभावनाओं से परिचित हो **सकेंगे**।
2. विद्यार्थियों की रुचियों एवं मूल्यों का समुचित मूल्यांकन करने के लिए **समय-समय पर रुचि एवं मूल्य परीक्षण आयोजित किए जाने चाहिए**, जिससे विद्यार्थियों को उनकी अभिरुचियों एवं जीवन-मूल्यों के अनुरूप उचित व्यवसाय चयन में सहायता प्राप्त हो **सकेगी**।
3. विद्यार्थियों के व्यवसाय चयन की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने हेतु **अभिभावकों को करियर परामर्श एवं वृत्तिक मार्गदर्शन कार्यक्रमों में सम्मिलित किया जाना चाहिए**, जिससे वे अपने बच्चों को उचित दिशा-निर्देश प्रदान कर **सकेंगे**।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 12, Issue: 2 | April – June 2025

4. विद्यालयों में विद्यार्थियों की व्यवसायिक समस्याओं एवं शंकाओं के समाधान हेतु **करियर परामर्श एवं वृत्तिक निर्देशन केंद्रों की स्थापना की जानी चाहिए**, जिससे विद्यार्थियों को विशेषज्ञों से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हो **सकेगा**।
5. विद्यार्थियों को उनकी रुचियों, क्षमताओं, योग्यताओं एवं मूल्यों के अनुरूप व्यवसाय चयन करने के लिए **निरंतर प्रोत्साहित एवं प्रेरित किया जाना चाहिए**, जिससे वे अपने भावी जीवन में अधिक सफलता एवं संतुष्टि प्राप्त कर **सकेंगे**।
6. विद्यालयों में विभिन्न व्यवसायों के विशेषज्ञों, उद्यमियों एवं सफल पेशेवरों के **व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए**, जिससे विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो **सकेगी**।
7. शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचियों एवं क्षमताओं की पहचान कर उन्हें **उचित शैक्षिक एवं व्यवसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया जाना चाहिए**, जिससे उनके वृत्तिक निर्णय अधिक यथार्थपरक, प्रभावी एवं सफल बन **सकेंगे**।

संदर्भ-ग्रंथ

1. हॉलैंड, जे. एल. (1997). मेकिंग वोकेशनल चॉइसेस (Making Vocational Choices). साइकोलॉजिकल असेसमेंट रिसोर्सेज।

2. सुपर, डी. ई. (1990). अ लाइफ-स्पैन, लाइफ-स्पेस अप्रोच टू करियर डेवलपमेंट (A Life-Span, Life-Space Approach to Career Development). जर्नल ऑफ़ वोकेशनल बिहेवियर, 16(3), 282-298.

3. ओसिपोव, एस. एच. (1999). करियर डिसीजन मेकिंग (Career Decision Making). लॉरेंस अर्लबाम एसोसिएट्स।

4. शर्मा, आर., और वर्मा, एस. (2025). करियर इंटरेस्ट एंड वोकेशनल चॉइस अमंग एडोलसेंट्स (Career Interest and Vocational Choice among Adolescents). इंडियन जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च, 15(2), 45-58.

5. सिंह, ए., और कौर, जे. (2024). वैल्यूज एंड वोकेशनल मैच्योरिटी अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स (Values and Vocational Maturity among Secondary School Students). जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज, 12(1), 67-79.

6. गुप्ता, एम., और मिश्रा, डी. (2024). करियर गाइडेंस एंड डिसीजन मेकिंग एबिलिटी अमंग एडोलसेंट्स (Career Guidance and Decision Making Ability among Adolescents). इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन, 10(4), 88-97.